PAPER-III
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 9 1 1 2

Time : **2 $^1/_2$** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – III

पण्हपत्तं – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **Seventy Five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पंचसत्तरी (75)** बहुविकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. The other name of Vyākhyā – Prajñpti is –
वियाह-पण्णत्ति – गंथस्स अवर णामं अत्थि –
व्याख्या-प्रज्ञप्ति का अपर नाम है –
(A) सूत्रकृतांग – सूत्र
(B) भगवती – सूत्र
(C) नंदी – सूत्र
(D) ज्ञाताधर्मकथा – सूत्र

2. 'Sukhabodhā' is the commentary on –
'सुखबोधा' - इमस्स गंथस्स टीका अत्थि –
'सुखबोधा' - इस ग्रंथ की टीका है –
(A) सन्मतितर्कप्रकरण
(B) द्रव्यसंग्रह
(C) उत्तराध्ययनसूत्र
(D) अचारांग सूत्र

3. Dhavalāṭīkā is a commentary written on :
धवला-टीका इमस्स गंथोवरि लिहिदा टीका अत्थि –
धवला-टीका निम्नलिखित ग्रन्थ पर लिखित टीका है :-
(A) प्रवचनसार
(B) उत्तराध्ययन सूत्र
(C) कसायपाहुडःसुत्त
(D) षट्खण्डागम-सूत्र

4. The word 'Bhāradovasa' is used for India.
भारतदेशस्स 'भरधवस' सद्दं इमम्हि पजुत्तं अत्थि –
भारत देश के लिये 'भरधवस' शब्द इसमें प्रयुक्त हुआ है –
(A) गिरनार शिलालेख
(B) मथुरा शिलालेख
(C) मनसेहरा शिलालेख
(D) हाथीगुम्फा शिलालेख

5. The script of Asokas' Girnar Inscriptions is
असोगस्स गिरिणयस्स सिलालेहाण लिपि इमा अत्थि –
अशोक के गिरनार - शिलालेखों की लिपि यह हैं –
(A) खरोष्ठी-लिपि
(B) ब्राह्मी-लिपि
(C) शारदा-लिपि
(D) यवनी-लिपि

6. This is a historical epic –
इयं एइहासियं महाकव्वं अत्थि –
यह ऐतिहासिक महाकाव्य है –
(A) वज्जालग्गं
(B) लीलावई
(C) सेतुबन्ध
(D) गउडवहो

7. The fishermen in the Abhijñāna-śakuntalaṁ speak –
अटिणाण संउन्तलस्स धीअरा बोल्लंती इमा भासा –
अभिज्ञानशाकुन्तलं के पात्र मछुआरे यह भाषा बोलते हैं –
(A) शौरसेनी
(B) मागधी
(C) पालि
(D) पैशाची

8. This is a Romantic epic in Prakrit –
इयं पाइयस्स रोमांटिक महाकव्वं अत्थि –
यह प्राकृत का रोमाण्टिक महाकाव्य है –
(A) गउडवहो
(B) लीलावई
(C) सेतुबन्ध
(D) पउमचरियं

9. Ardhamagadhi Mūlasūtra is divided into –
अद्धमागही - मूलसुत्ताइंइमेसु भागेसु विभत्ता संति –
अर्धमागधी मूलसूत्र इन भागों में विभक्त है –
(A) आठ
(B) नव
(C) दस
(D) चार

10. The main event of the sixth act of the Mṛacchakatikaṁ is
मृच्छकटिकस्स छट्ठस्स अंकस्स पमुहा घटना अत्थि –
मृच्छकटिकं के छठे अंक की प्रमुख घटना है –
(A) गाड़ी परिवर्तन
(B) प्रीतिभोज
(C) जुआघर
(D) गहने-परिवर्तन

11. The name of the Vidūṣaka of the Karpūramanjari is –
कर्पूरमंजरीए विदूसगस्स णामं अत्थि –
कर्पूरमंजरी के विदूषक का नाम है –
(A) कपिंजल
(B) मैत्रेय
(C) पुष्पक
(D) चन्द्रसेन

12. 'कव्वंज्जेव कवित्तणं पिसुणेंदि' statement used by
'कव्वंज्जेव कवित्तणं पिसुणेंदि' कहणं दूयस्स पत्तस्स अत्थि –
'कव्वंज्जेव कवित्तणं पिसुणेंदि' कथन इस पात्र का है
(A) कपिंजल
(B) मैत्रेय
(C) विचक्षणा
(D) रदनिका

13. Read the Unit-I and II for correct match :
पढमो-वीयो य खण्डाणं सुट्ठु सम्मेलणत्थं पढिदव्वं –
प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों को सही मिलान के लिए पढ़ें –

सूची – I	**सूची – II**
(a) कर्पूरमंजरी	(i) शूद्रक
(b) गाहासत्तसई	(ii) विमलसूरि
(c) मृच्छकटिकं	(iii) हाल
(d) पडमचरिड	(iv) राजशेखर

Choose the correct match from the following :
अहोलिहिदेसु सुट्ठु मिलाणं कुज्जा –
निम्नलिखित से सही मिलान को चुनिये –
कूट :
(A) (i) + (d) (B) (iii) + (d)
(C) (ii) + (b) (D) (iv) + (a)

14. The subject-matter of Kavidarpana is
'कविदर्पण' गंथस्स पमुहं विसयं अत्थि –
'कविदर्पण' का मुख्य विषय है –
(A) छन्द
(B) व्याकरण
(C) अलंकार
(D) कोश

15. The subject-matter of Rayanāvali is –
रयणावलीए पमुहं विसयं अत्थि –
रयणावली का मुख्य विषय है –
(A) छन्दशास्त्र
(B) कोशशास्त्र
(C) अलंकारशास्त्र
(D) रत्नशास्त्र

16. This group belongs to Prakrit Kosha.
एसो पाइय - कोस समूहो अत्थि –
यह प्राकृत कोष का ग्रन्थ समूह है –
(A) अष्टपाहुड, नाममाला, अमरकोष
(B) पाइयसद्दमहण्णवो, पाइयलच्छीमाला, देशीनाममाला
(C) प्राकृत सर्वस्व तरंगलोला पवयणसारो
(D) प्राकृत पैंगलम् प्राकृत रूपावतार षट्भाषा चन्द्रिका

17. This text is known as Sankirna Kathā
इयं गंथं संक्कीणकहा कहिज्जइ
इस ग्रन्थ को 'संकीर्ण कथा' कहा गया है –
(A) लीलावईकहा
(B) सुदंसणाकहा
(C) नम्मयासुन्दरीकहा
(D) कुवलयमालाकहा

18. The Charitakāya written by Dhaneshwarsuri is –
धनेश्वरसूरिणा रचिदं चरिदकव्वं अत्थि –
धनेश्वरसूरि द्वारा रचित चरित काव्य है –
(A) सुपासनाहचरियं
(B) आदिनाहचरियं
(C) सुरसुन्दरीचरियं
(D) महावीरचरियं

19. The subject-matter of the 9th Chapter of Uttarajjhayana-sutta is –
उत्तरज्झयन - सुतस्स णवमअज्झयणस्स वण्ण-विसयं अत्थि –
उत्तरज्झयण – सुत्त के नौवें अध्ययन का विषय है -
(A) विनय से सम्बन्धित
(B) हरिकेशी से सम्बन्धित
(C) णमि-पवज्जा से सम्बन्धित
(D) केशी-गौतम से सम्बन्धित

20. Kamsavaho the Khandakavya is edited by –
कंसवहो पाइय खंडकव्वस्स संपादओ अत्थि –
'कंसवहो' प्राकृत खण्डकाव्य का सम्पादन इन्होंने किया है –
(A) डॉ. रामजी उपाध्याय
(B) डॉ. आर.सी. द्विवेदी
(C) डॉ. ए.एन. उपाध्ये
(D) डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री

21. The following works are written in Śauraseni Prakrit –
अहोलिहिदा गंथा समूहा सोरसेणी - पाइय - भासा संति –
निम्नलिखित ग्रंथ समूह शौरसेनी प्राकृत में है –
(A) तत्त्वार्थसूत्र, सर्वार्थसिद्धि, प्रमेयकमलमार्तांड
(B) समराइच्चकहा, भविस्सयत्तकहा, आरामसोहाकहा
(C) समयसारो, पवयणसारो, दव्वसंगहो
(D) लीलावइकहा, गउडवहो, कंसवहो

22. 'l' becoming '*l*' is the feature of –
'ल' कारवाणे 'क' परिवट्टणं इमस्स विसेसदा अत्थि –
'ल' के स्थान पर 'क' होना इसकी विशेषता है –

(A) मागधी
(B) पैशाची
(C) शाकारी
(D) चाण्डाली

23. Development of Sanskrit 'S' in Ardhamāgadhī is –
संस्कृतस्स 'स' अद्धमागधीए विआसो अत्थि –
संस्कृत 'स' का अर्धमागधी में विकास है –

(A) स
(B) ष
(C) श
(D) इनमें से कोई नहीं

24. 'tasmāt' is changed into Śaurasanī as –
'तस्मात्' सोरसेणीए इमं रूवेण परिवट्टणं होइ –
तस्मात् शौरसेनी में इस रूप में परिवर्तित होता है –

(A) ता
(B) ताव
(C) तम्हा
(D) तया

25. Identify the Sattaka from the following –
अहोलिहिएसु सट्टकं जाणेज्जा –
निम्नलिखितों में से सट्टक को पहिचानें –

(A) विक्रमोर्वशीय
(B) चारुदत्त
(C) रंभामंजरी
(D) विलासवती

26. Dhakki is the sub-dialect of –
ढक्की इमाए उवभासा अत्थि –
'ढक्की' इसकी उपभाषा है –

(A) अर्धमागधी
(B) मागधी
(C) महाराष्ट्री
(D) शौरसेनी

27. Which Prakrit is considered Prakrit per excellence according to Daṇḍin ?
दंडिमआणुसारेण पमुहं पाइअं अत्थि –
दण्डी के अनुसार प्रमुख प्राकृत यह है –

(A) महाराष्ट्री
(B) अर्धमागधी
(C) पैशाची
(D) आवन्ती

28. Number of vowels in Prakrit is –
पाइअम्मि सराणं संखा अत्थि –
प्राकृत में स्वरों की संख्या है –

(A) दस
(B) आठ
(C) सात
(D) इनमें से कोई नहीं

29. The example of elision of consonant with vowel is –
सर-सहिअस्स वंजणस्स लोवस्स उदाहरणं अत्थि –
सस्वर व्यंजन के लोप का उदाहरण है –

(A) पयारो
(B) राउलं
(C) पाओ
(D) सभलं

30. The presiding Acharya of the latest Vachana of Ardhamagadhi canons was :-

अद्धमगही आगमाण अंतिमो वायणा-पमुहों अत्थि –

अर्धमागधी आगमों की अंतिम वाचना के प्रमुख आचार्य थे –

(A) आचार्य कुन्दकुन्द

(B) आचार्य स्थूलिभद्र

(C) आचार्य देवर्धिगणि

(D) आचार्य हेमचन्द्र

31. What is not an indeclinable of the following ?

अहोलिहिएसु इमं अण्ययं नत्थि –

निम्नलिखितों में से यह अण्यय नहीं है –

(A) अम्महे

(B) णं

(C) कज्जं

(D) दाणिं

32. Alternative form of 'nirjhara' is –

'निर्झर' सद्दस्स अवरं रूवं अत्थि –

'निर्झर' शब्द का अपर रूप है –

(A) ओज्झर

(B) निरहर

(C) पइज्झर

(D) निरझर

33. Example of dissimilation is –

विसमीकरणस्स उदाहरणं अत्थि –

विषमीकरण का उदाहरण है –

(A) नयरं

(B) वम्महो

(C) सत्तो

(D) अलचपुरं

34. Dative Plural in Prakrit changes into –

पाइअम्मि चउट्ठी - विहत्थी-ठाणे इमं परिवट्टणं होइ –

प्राकृत में चतुर्थी बहुवचन के स्थान पर यह परिवर्तन होता है –

(A) द्वितीया बहुवचन

(B) पंचमी एकवचन

(C) चतुर्थी एकवचन

(D) षष्ठी बहुवचन

35. 't' of 'Bharata' is changed into Māhārāṣṭrī as –

'भरत' सद्दस्स 'त' ठाणे मरहट्ठम्मि इमं परिवहणं होइ –

'भरत' शब्द के 'त' का महाराष्ट्री में यह परिवर्तन होता है –

(A) द

(B) अ

(C) ह

(D) त

36. 'hṛdaya' word is changed into Paiśācī as

पैशाची भासाए 'हृदय' सद्दस्स परिवट्टणं होइ –

पैशाची में 'हृदय' शब्द परिवर्तित हो जाता है –

(A) हितपक

(B) हिअअ

(C) हिआ

(D) हिअय

37. 'Sattha Pariṇṇā' is a chapter of this Āgama –

'सत्थापरिण्णा' अस्स आगमस्स अज्झयणं अत्थि –

'सत्थपरिण्णा' इस आगम-ग्रंथ का अध्याय है –

(A) आचारांग – सूत्र

(B) भगवती – सूत्र

(C) उपासकदरांग – सूत्र

(D) विपाक – सूत्र

38. The subject matter of 'Samarāicca-Kahā' is

'समराइच्चकहाअ' वण्ण विसओ अत्थि –

'समराइच्चकहा' का वर्ण्य - विषय है –

(A) अध्यात्म

(B) पूजा-अर्चा

(C) इतिहास

(D) जन्मांतर-कथन

39. Match each author from Part I and his work from Part II and identify the correct answer.

पढम खंडत्तो पच्चेग लेहगस्स बीयो खंडत्तो ताणं गंथाणं मेलणं कुज्जा तह य सुद्दु उत्तरं दिज्जइ ।

प्रथम भाग से प्रत्येक लेखक और द्वितीय भाग से उनके ग्रंथों का मिलान कीजिये और सही उत्तर दीजिए ।

सूची – I		**सूची – II**
(a) विमलसूरि	(i)	चउप्पण्णमहापुरिस चरियं
(b) सीलांक	(ii)	समराइच्चकहा
(c) हरिभद्र	(iii)	बारसाणुवेक्खा
(d) कुंदकुंद	(iv)	पउमचरियं

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

40. Uttarajjhayana – Sutta is known as –

उत्तरज्झयण – सुत्तं जाणिज्जइ –

उत्तरध्ययन-सुत्त जाना जाता है –

(A) उपांग – सूत्र

(B) छेद सूत्र

(C) मूल सूत्र

(D) अंग सूत्र

41. This is not a work of Kunda Kunda –

अस्स गंथस्स लेहगो कुंदकुंदो णत्थि –

यह ग्रंथ कुंदकुंद का नही है –

(A) नियमसार

(B) द्रव्यसंग्रह

(C) समयसार

(D) प्रवचनसार

42. The language of 'Chakkaṇḍāgama-Sutta' is –

'छक्खंडागम सुत्तस्स' भासा इमा अत्थि –

'छक्खंडागम सुत्त' की भाषा है –

(A) अर्धमागधी

(B) शौरसेनी

(C) महाराष्ट्री

(D) मागधी

43. The author of 'Mūlārāhaṇā'

'मूलाराहणा' - गंथस्स लेहगो अत्थि –

'मूलाराहणा' के लेखक है –

(A) शिवार्य

(B) नेमिचंद्र

(C) यतिवृषभ

(D) हरिभद्र

44. The language of the Samaya-Sāra is –

समयसार – गंथस्स भासा इमा अत्थि –

समयसार ग्रंथ की भाषा यह है –

(A) अर्धमागधी

(B) शौरसेनी

(C) अपभ्रंश

(D) महाराष्ट्री

45. 'दीसंति बहवे लोये पासबद्धा सरीरिणो'
This is the statement of –
इमं वत्तव्वं इमस्स अत्थि –
यह वक्तव्य इनका है –
(A) केशी
(B) गौतम
(C) नमि
(D) चित्त

46. कम्म-समारंभा indicates as :
कम्म-समारंभ सद्दस्स अत्थो अत्थि –
कम्म-समारंभ शब्द का अर्थ है –
(A) कर्मसंवर
(B) कर्मबन्ध
(C) कर्म-उदीरणा
(D) कर्म-स्थिति

47. 'लोगविजओ' deals with :-
'लोगविजओ' अज्झयणस्स विसओ अत्थि –
'लोगविजओ' अध्ययन का विषय है :-
(A) इच्छा परिमाण
(B) इच्छा विजय
(C) लोकाचार
(D) लोकसंवर्धन

48. Padmanandi is the second name of :-
इमस्स अवरं णामं 'पद्मनन्दि' अत्थि –
'पद्मनन्दि' इनका दूसरा नाम था :-
(A) विद्यानन्द
(B) सोमदेव
(C) प्रभाचन्द्र
(D) कुन्दकुन्द

49. The gatha "carittam khalu dhammo, dhammo jo so samo tti niddittho" occurs in :-
"चारित्तं खलु धम्मो धम्मो जो सो समो त्ति णिद्दिट्ठो"
गाथा इस ग्रन्थ में आती है –
इमा गाहा इमम्मि गंथे अत्थि –
(A) पंचास्तिकाया
(B) कसायणहुड
(C) प्रवचनसार
(D) गोम्मदसार

50. What is the time of Emperer Ashoka ?
सम्माट - असोगस्स कालं किं ?
सम्राट अशोक का काल क्या है ?
(A) तृतीय सदी ईस्वी
(B) तृतीय सदी ईसा-पूर्व
(C) चतुर्थ सदी ईसा-पूर्व
(D) चतुर्थ सदी ईस्वी.

51. Uvaogavisuddho is the quality of :-
"उवओगविसुद्धो" दूइमे गुणं इमस्स अत्थि –
"उवओगविसुद्धो" यह गुण इनका है :-
(A) णाणी
(B) सव्वण्हू
(C) मायाचारी
(D) बंधगो

52. "Mohasaṃchanno" is named as :-
'मोहसंछण्णो' इमं रूवेणं कहिज्जइ –
'मोहसंछण्णो' इसको कहा गया है :-
(A) सम्यक्दृष्टि
(B) तिर्यञ्च
(C) संसारी
(D) मुक्त

53. The meaning of the word 'उत्तर' in the Uttarajjhayaṇa is :-
उत्तरज्झयणेसु 'उत्तर' सद्दस्स अट्ठो अत्थि –
उत्तरज्झयण में 'उत्तर' शब्द का अर्थ है –
(A) दिशावाचक
(B) प्रधान
(C) समाधान
(D) प्रश्न

54. The main object of Mahābhiniṣkramaṇa is :-
'महाभिनिष्क्रमण' पदस्स पमुहं उद्देस्सं अत्थि –
महाभिनिष्क्रमण का प्रमुख उद्देश्य है –
(A) ग्रहजन्यचिन्ताविमुक्ति
(B) ग्रहनिष्कासन
(C) षट्कायिकजीवसंरक्षण
(D) आजीविका

55. The meaning of Pratyekabuddha is :-
'प्रत्येकबुद्ध' पदस्स अट्ठो होइ –
प्रत्येकबुद्ध का अर्थ है –
(A) पृथक्बुद्ध
(B) स्वयंबुद्ध
(C) सम्बुद्ध
(D) बाह्यघटनाजन्य प्रतिबुद्ध

56. The language of 'Pravacanasāra' is :
'पवयणसारस्स' भासा इमा अत्थि :
'प्रवचनसार' इस भाषा में रचित है :
(A) मागधी-प्राकृत
(B) शौरसेनी-प्राकृत
(C) प्रैशापी-प्राकृत
(D) महाराष्ट्री-प्राकृत

57. The representative work of Paishachi. Prakrit is :-
पइसाइ - पाइयस्स पइणिहि रयणा इमा अत्थि :-
पैशाची - प्राकृत की यह प्रतिनिधि रचना है :-
(A) आरामसोहाकहा
(B) समराइच्चकहा
(C) वड्ढकहा
(D) कुवलयमालाकहा

58. 'Apabhramśa' belongs to this era of Prakrit –
'अपभ्रंश' इमस्स जुगस्स भासा अत्थि –
'अपभ्रंश' इस युग की भाषा है –
(A) आधुनिकयुगीन - प्राकृत
(B) मध्ययुगीन-प्रकृत
(C) तृतीययुगीन-प्राकृत
(D) प्रथमयुगीन-प्राकृत

59. 'Dyūtakrīḍā' has been described in the Mrcchakatika in this act –
जुआकीड्डाए वण्णणं 'मृच्छकटिक' पयरयणस्स अमुम्मि अंकम्मि होइ –
द्यूतक्रीडा का वर्णन मृच्छकटिकं के इस अंक में है –
(A) चतुर्थ
(B) पंचम
(C) प्रथम
(D) द्वितीय

60. The season mentioned in the first chapter of the Karpūramañjarī is –
कर्पूरमंजरीए पठम-जवणिआए एसो उऊ वण्णओ अत्थि –
कर्पूरमंजरी प्रथम जवनिका में इस ऋतु का वर्णन हैं –
(A) ग्रीष्म
(B) वर्षा
(C) वसन्त
(D) हेमन्त

61. The Ākhaṇakamaṇikoṣa is composed mainly in this Prakrit –

आक्खणकमणिकोस गंथस्स पमुहा पाइयभासा अत्थि –

आख्याणकमणिकोश प्रमुख रूप से इस प्राकृत में लिखा है –

(A) मागधी

(B) महाराष्ट्री

(C) शौरसेनी

(D) पैशाची

62. The Kuvalayamālākahā was composed at –

कुवलयमालाकहा गंथस्स लेहण-थलो अत्थि –

कुवलयमालाकहा का रचना-स्थल है –

(A) जालौर

(B) जयपुर

(C) जैसलमेर

(D) जामनगर

63. The period of the author of the Samaraiccákahā is

समराइच्चकहाए लेहअस्स समओ अत्थि –

समराइच्चकहा के लेखक का अस्तित्वकाल है –

(A) आठवीं सदी

(B) छठी सदी

(C) पाँचवी सदी

(D) नौवीं सदी

64. Intervocalic 'th' is changed into Śaurasenī as –

सरमण्डझत्थ 'थ' कारस्स सउरसेणीए इमं परिअट्टणं होइ –

स्वरमध्यवर्ती 'थ' का शौरसेनी में यह परिवर्तन होता है –

(A) भ (B) ध

(C) झ (D) ह

65. The earliest drama where Māgadhī is used –

सव्वपेक्खा पाईणं णाडयं अत्थि जत्थ मागहीए पओगं होइ –

सबसे प्राचीन नाटक जहां मागधी का प्रयोग हुआ है –

(A) मृच्छकटिक

(B) सारिपुत्र प्रकरण

(C) अभिज्ञानशकुन्तल

(D) रम्भामञ्जरी

66. Which one is the example of ya-śruti ?

य-सुइए उदाहरणं किं होइ ?

य-श्रुति का उदाहरण कौन-सा है ?

(A) अय्यउत्तो

(B) पयइ

(C) आगओ

(D) पाणिअं

67. The earliest text written in Māhārāṣṭrī is –

मरहट्ठ -भाषाए लिहिओ पाईणअमो गंथो अत्थि –

महाराष्ट्री में लिखित प्राचीनतम ग्रंथ है –

(A) गउडवहो

(B) गाहासत्तसई

(C) कुमारपाल चरितम्

(D) अगडदत्तचरिअं

68. The initial 'y' changes into Māhārāṣṭrī is –

मरहट्ठ - पाइअम्मि पआइ 'य' कारो इमं रूवेणं परिवट्टिओ अत्थि –

पदादि 'य' महाराष्ट्री में इसमें परिवर्तित होता है –

(A) अ (B) ज

(C) च (D) ट

69. Prakrit grammar of Vararuci is known as –

वररुइणा विरइअं पाइअ वारणस्स इमं नामं होइ –

वररुचि का प्राकृत व्याकरण इस नाम से जाना जाता है –

(A) प्राकृत कल्पतरु

(B) प्राकृत सर्वस्व

(C) प्राकृत व्याकरण

(D) प्राकृत प्रकाश

70. Ardhamāgdhi Āgama literature was compiled by –

अद्धमागही आगम-साहिच्चस्स संकलणा अणेण कयमासी –

अर्धमागधी आगम साहित्य का संकलन इनके द्वारा किया गया –

(A) आचार्य कुंदकुंद

(B) देवद्धि गणि क्षमाश्रमण

(C) हेमचंद्राचार्य

(D) सिद्धसेन

71. This statement is correct –

इमं कहणं सच्चमत्थि –

यह कथन सत्य है –

(A) प्राकृत में ध्वनि-परिवर्तन नहीं है ।

(B) प्राकृत और संस्कृत में कोई भिन्नता नहीं है ।

(C) प्राकृत में ऋ, ॠ, ऌ, ॡ नहीं होता है ।

(D) प्राकृत की उत्पत्ति कन्नड से हुई है ।

72. The number of Rock edicts of Ashoka are

असोगस्स सिलालेहाण संखा इमा अत्थि :-

अशोक के शिलालेखों की संख्या है :-

(A) 14

(B) 7

(C) 12

(D) 19

73. Karpurmanjari belongs to this category :-

कर्पूरमंजरी इमस्स विहिस्स गंथो अत्थि –

कर्पूरमंजरी इस विधा का ग्रन्थ है :-

(A) रूपक

(B) नाटक

(C) सट्टक

(D) प्रहसन

74. The name of the seventh Āgama is :

सत्तमागमस्स णामं अत्थि :

सप्तम आगम का नाम है :

(A) आचासंग – सूत्र

(B) सूत्रकृतांग – सूत्र

(C) उत्तराध्ययन – सूत्र

(D) उपासकदरांग – सूत्र

75. Ācārya Siddhasena belongs to the period of :-

आयरिअ - सिद्धसेणस्स समओ अत्थि –

आचार्य सिद्धसेन का समय लगभग यह है –

(A) द्वितीय शताब्दी ई.पू.

(B) द्वितीय शताब्दी

(C) छठी शताब्दी

(D) ग्यारहवीं शताब्दी

Space For Rough Work